भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 5606

04 अप्रैल, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

तमिलनाडु में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन

† 5606. श्री अ. मनिः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) तमिलनाडु राज्य में, विशेषकर धर्मापुरी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति क्या है;
(ख) सरकार द्वारा नागरिकों को डिजिटल स्वास्थ्य आईडी के लिए पंजीकरण करने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए क्या कदम उठाए गए/उठाए जाने का प्रस्ताव है;
(ग) क्या एबीडीएम को सार्वजनिक और निजी स्वास्थ्य प्रणालियों के साथ जोड़ा गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) यह सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं कि ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों को उक्त मिशन से लाभ मिले;
(ङ) क्या ग्रामीण क्षेत्रों में उक्त मिशन को बढ़ावा देने के लिए कोई लक्षित जागरूकता अभियान चलाया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(च) उक्त मिशन के अंतर्गत शहरी केंद्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में कितनी प्रगति हुई है; और
(छ) एबीडीएम पारिस्थितिकी तंत्र के अंतर्गत अधिक स्वास्थ्य सुविधाओं को लाने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (छ): आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन को प्रत्येक नागरिक के क्रमिक इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड बनाने के लिए स्वास्थ्य पारिस्थितिकी के भीतर स्वास्थ्य डेटा की अंतःक्रियाशीलता को सक्षम करने के लिए एक ऑनलाइन मंच के रूप में शुरू किया गया है। इस मिशन का उद्देश्य देश के एकीकृत डिजिटल स्वास्थ्य अवसंरचना का सहयोग करने के लिए आवश्यक आधार बनाना है। एबीडीएम में प्रमुख रजिस्ट्रियां शामिल हैं जो आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता (एबीएचए), स्वास्थ्य परिचर्या पेशेवर रजिस्ट्री (एचपीआर), स्वास्थ्य सुविधा केंद्र रजिस्ट्री (एचएफआर) और दवा रजिस्ट्री जैसी रजिस्ट्रियों के निर्माण से अभिप्रेत हैं। एबीडीएम

का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित, समावेशी, सुलभ, समय पर सेवा प्रदायगी और सबसे महत्वपूर्ण नागरिक केंद्रित बनाना है।

तमिलनाडु में, 2 अप्रैल 2025 तक, कुल 1,52,99,265 आभा बनाए गए हैं, एचएफआर पर 6,515 स्वास्थ्य सुविधा केन्द्र पंजीकृत हैं, 8,202 स्वास्थ्य पेशेवरों ने एचपीआर पर पंजीकरण कराया है और 26, 87,736 स्वास्थ्य रिकॉर्ड को आभा से जोड़ा गया है।

धर्मपुरी जिले के लिए, 2 अप्रैल 2025 तक उपरोक्त संकेतकों का विवरण निम्न है:

आभा	**एचएफआर पर पंजीकृत स्वास्थ्य सुविधा केन्द्र**	**एचपीआर पर पंजीकृत स्वास्थ्य पेशेवर**	**आभा से जुड़े स्वास्थ्य रिकॉर्ड**	**बनाए गए स्कैन और शेयर टोकन**
2,93,456	104	159	11,942	3

कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण ने प्रचार सामग्री के माध्यम से स्वास्थ्य परिचर्या सुविधा केन्द्रों में जन-जागरूकता अभियान शुरू किया है। एबीडीएम सक्रिय रूप से व्यापार मेलों, मैराथन, चिकित्सा सम्मेलनों, प्रौद्योगिकी कार्यक्रमों आदि जैसे सार्वजनिक कार्यक्रमों में भागीदारी के माध्यम से जागरूकता और नागरिक जुड़ाव को बढ़ावा देता है और आभा के बनाने और डिजिटल स्वास्थ्य सेवा को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। राज्य/संघ राज्य क्षेत्र स्थानीय स्वीकारोक्ति में वृद्धि करने के लिए लक्षित आईईसी क्रियाकलाप और क्षमता निर्माण भी करते हैं।

देश भर में एबीडीएम के तहत स्वास्थ्य में सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्र के आईटी समाधानों को ईएचआर के निर्माण हेतु सहायता के लिए सैंडबॉक्स व्यवस्था के माध्यम से एकीकृत किया गया है।

2 अप्रैल 2025 तक, 289 डिजिटल स्वास्थ्य आईटी सिस्टम एबीडीएम के साथ एकीकृत हो चुके हैं, जिनमें से 66 सार्वजनिक हैं जबकि शेष 223 निजी हैं।

सरकार ने मिशन के लाभ प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाना सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं । एबीडीएम के प्रमुख सिद्धांतों में से एक समावेशन है। एबीडीएम द्वारा बनाया गया डिजिटल स्वास्थ्य पारिस्थितिकी प्राथमिक, माध्यमिक और विशिष्ट स्वास्थ्य सेवा में निर्बाध तरीके से परिचर्या की निरंतरता का समर्थन करता है। यह टेलीमेडिसिन आदि जैसे विभिन्न प्रौद्योगिकी क्रियाकलापों के माध्यम से में स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं, विशेष रूप से दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों में, उपलब्धता में सहायता करता है। एबीडीएम के पास उन स्थानों पर असिस्टेड मोड का प्रावधान हैं जहां इंटरनेट कनेक्टिविटी खराब हो सकती है। उदाहरण स्वरूप, आभा के निर्माण के लिए ऑफ़लाइन मोड को भी सक्षम किया गया है जहां इंटरनेट कनेक्टिविटी खराब हो या हार्डवेयर या दोनों की अनुपलब्धता हो सकती है।

अब तक, 2 अप्रैल 2025 तक की स्थितिनुसार 76 करोड़ से अधिक आभा बनाए गए हैं और आभा से 52 करोड़ से अधिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड जोड़कर आभा को अपनाने संबंधी महत्वपूर्ण प्रगति प्राप्त की है। पीएम-

जेएवाई जैसी सरकारी योजनाओं के साथ एकीकरण और त्वरित ओपीडी पंजीकरण के लिए क्यूआर आधारित सेवाओं और एम्स तथा विभिन्न सरकारी अस्पतालों में शीघ्रता से भुगतान जैसी पहलों ने एबीडीएम को अपनाने, विशेष रूप से एम्स और सरकारी अस्पतालों में, वृद्धि की है। निजी स्वास्थ्य सेवा प्रदाता भी तेजी से एबीएचए-एकीकृत समाधानों को अपना रहे हैं।

एबीडीएम पारिस्थितिकी के तहत सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों से अधिक स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों को लाने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के परामर्श और समर्थन से विभिन्न पहलें की जा रही हैं। इनमें त्वरित पंजीकरण हेतु पूर्व के मामलों को जोड़ना, आसान भुगतान, निजी क्षेत्र को माइक्रोसाइट कार्यक्रम अपनाने हेतु विशेष ध्यान, स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों को प्रोत्साहित करने के लिए डिजिटल स्वास्थ्य प्रोत्साहन योजना (डीएचआईएस) और डिजिटल रिकॉर्ड बनाने के लिए डिजिटल स्वास्थ्य तकनीक कंपनियों और डिजिटलीकरण को प्रारंभ से अंत तक सुविधा केन्द्रों में स्थापित करने के लिए 'मॉडल सुविधा' पहल शामिल हैं।

*****